28/09/22

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी तवील उप०।
चूंकि मूल वाद फैसल किया जा चुका है
अब इस आवेदन को आगे चलाने का कोई
औचित्य नहीं [illegible] आवेदन की कार्यवाही
[illegible] की [illegible] पत्रावली
फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।
मूल वाद के संलग्न हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Ramji Bhai Kalbi
Date: 2022.11.05 16:58:10 IST
Reason: SelfAttested